भारत के प्रमुख महल, सेतु, स्तूप, प्रतिमाओं के नाम और स्थान की सूची

भारत के प्रमुख महल, सेतु, स्तूप और प्रतिमाएँ:

भारत एशिया महाद्वीप में क्षेत्रफल के हिसाब से 7वां सबसे बड़ा देश है। भारत का इतिहास काफी पुराना है और यहाँ सभी धर्मों के लोग निवास करते है। यह देश सम्पूर्ण विश्व में अपनी सुन्दर वास्तुकला और भव्य इमारतों की रचनाओं के लिए दुनियाभर में विख्यात है।

भारत के प्रमुख महलों और इमारतों की सूची:

महल/इमारत	**स्थान**
ताजमहल	आगरा, उत्तरप्रदेश
आंबेर किला	जयपुर, राजस्थान
हवा महल	जयपुर, राजस्थान
शीश महल	पटियाला, पंजाब
मैसूर पैलेस या महाराजा पैलेस	मैसूर, कर्नाटक
फलकनुमा महल	हैदराबाद, तेलंगाना
द्वीप महल	उदयपुर, राजस्थान
लक्ष्मी विलास महल	वड़ोदरा, गुजरात
लालगढ़ महल	बीकानेर, राजस्थान
जहाज महल	मांडू, मध्य प्रदेश
आनंद भवन	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
राष्ट्रपति भवन	नई दिल्ली
विक्टोरिया मेमोरियल	कोलकाता, पश्चिम बंगाल
चौमोहल्ला पैलेस	हैदराबाद, तेलंगाना
नीर महल	पश्चिम त्रिपुरा

सेतु या पुल किसे कहते है?

सेतु/पुल की परिभाषा: सेतु एक प्रकार का ढाँचा जो नदी, पहाड़, घाटी अथवा मानव निर्मित अवरोध को वाहन या पैदल पार करने के लिये बनाया जाता है।

भारत के प्रमुख सेतुओं/पुलों की सूची:

सेतु	**नदी/झील**	**स्थान**
हावड़ा ब्रिज	हुगली	कोलकाता, पश्चिम बंगाल
पंबन ब्रिज	पाक जलडमरूमध्य	रामेश्वरम, तमिलनाडु
महात्मा गांधी सेतु	गंगा	पटना, बिहार
नेहरू सेतु	सोन	बिहार
लक्ष्मण झूला	गंगा	ऋषिकेश, उत्तराखंड
वेम्बानाड रेलवे ब्रिज	वेम्बानाड झील	कोची, केरल
विवेकानंद सेतु	हुगली	कोलकाता, पश्चिम बंगाल
विद्यासागर सेतु	हुगली	कोलकाता, पश्चिम बंगाल

प्रतिमाएं या मूर्ति क्या होती है?

मूर्ति या प्रतिमा की परिभाषा: किसी ऐतिहासिक व्यक्ति या वस्तु की तथैव अथवा काल्पनिक प्रतिकृति जो मिट्टी या पत्थर में बनाई जाए प्रतिमा कहलाती है। प्रतिमा बनाने वाले को मूर्ति शिल्पी कहते हैं और प्रतिमा बनाने के काम को मूर्ति शिल्प कहा जाता है। मंदिरों में पूजा के लिए इनकी स्थापना होती है तथा घर नगर और संस्थानों में सुंदरता के लिए इन्हें स्थापित किया जाता है। देवी देवताओं और प्रसिद्ध व्यक्तियों की प्रतिमाएँ बनाई जाती हैं।

भारत की प्रमुख प्रतिमाओं की सूची:

मूर्ति	**स्थान**
गोमतेश्वर की प्रतिमा	श्रवणबेलगोला, कर्नाटक
उग्र नरसिंह की प्रतिमा	हम्पी, कर्नाटक
त्रिमूर्ति की प्रतिमा	एलीफेंटा गुफाएं, मुंबई
तिरुवल्लुवर की प्रतिमा	कन्या कुमारी, तमिलनाडु
कन्नगी की प्रतिमा	मरीना बीच, चेन्नई

स्तूप किसे कहा जाता है?

स्तूप की परिभाषा: स्तूप का शाब्दिक अर्थ है- 'किसी वस्तु का ढेर'। स्तूप का विकास ही संभवतः मिट्टी के ऐसे चबूतरे से हुआ, जिसका निर्माण मृतक की चिता के ऊपर अथवा मृतक की चुनी हुई अस्थियों के रखने के लिए किया जाता था। गौतम बुद्ध के जीवन की प्रमुख घटनाओं, जन्म, सम्बोधि, धर्मचक्र प्रवर्तन तथा निर्वाण से सम्बन्धित स्थानों पर भी स्तूपों का निर्माण हुआ। स्तूप के 4 भेद हैं:-

- शारीरिक स्तूप
- पारिभोगिक स्तूप
- उद्देशिका स्तूप
- पूजार्थक स्तूप

भारत के प्रमुख स्तूपो की सूची:

स्तूप	**स्थान**
सांची स्तूप	सांची, रायसेन, मध्य प्रदेश
दमेख स्तूप	सारनाथ, उत्तर प्रदेश
जग्गरयमपेट्ट	आन्ध्र प्रदेश
नालन्दा	बिहार
नागार्जुनकोण्डा	गुण्टूर ज़िला, आन्ध्र प्रदेश
अमरावती	गुण्टूर ज़िला, आन्ध्र प्रदेश
बोधगया	बिहार
भरहूत	सतना, मध्य प्रदेश
पिपरावा	बस्ती ज़िला, उत्तर प्रदेश

भारत के प्रमुख समुद्र तट (बीच) की सूची:

समुद्र तट (बीच)	**स्थान**
कलूंगेट बीच	गोवा

बागा बीच	गोवा
मेरिना बीच	चेन्नई, तमिलनाडु
कव्लोंग बीच	चेन्नई, तमिलनाडु
जुहू बीच	मुम्बई, महाराष्ट्र
गोरई बीच	मुम्बई, महाराष्ट्र
कोवलम बीच	तिरुवनंतपुरम, केरल
गहिरमाथा बीच	केंद्रपाड़ा, ओडिशा